आर्यव्रत सेवा न्यास

आर्यव्रत सेवा न्यास

धर्म - सेवा | शिक्षा | सहयोग

आर्यव्रत दर्शन

www.aaryawart.com

लेख-सूची

3 संस्था वाणी
संस्थापक का संदेश

5 मुख्य आलेख
श्री राम कथा - आस्था और भक्ति की एक दिव्य यात्रा

11 विशेष प्रतिवेदन
151 कुंडीय सहस्त्र चंडी महायज्ञ - वह पवित्र अग्नि जिसने हजारों लोगों को एकजुट किया

14 ऐतिहासिक घोषणा
पश्चिम भारत में सनातन धर्म के उत्थान का दायित्व

15 पर्यावरण संरक्षण एवं गौ रक्षा
गौ माता की सेवा, प्रकृति की रक्षा

19 झलकियाँ
तस्वीरों में कार्यक्रम - भक्ति और कृपा के क्षण

53 आर्यव्रत सेवा न्यास - उद्देश्य
सेवा, शिक्षा और सहयोग का संकल्प

श्री विनित पिलानिया (संस्थापक)

संस्था वाणी

आर्यव्रत सेवा न्यास की ओर से संस्थापक का संदेश

परम पूजनीय, आदरणीय देवियों एवं सज्जनों,

सर्वप्रथम, मैं आप सभी का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ और आर्यव्रत दर्शन के इस नवीन अंक में आपका स्वागत करता हूँ। यह अंक हमारे लिए अत्यंत विशेष है, क्योंकि यह उस पवित्र आयोजन की स्मृतियों को समेटे हुए है, जिसने हजारों श्रद्धालुओं के हृदय को एक सूत्र में पिरो दिया। हमारे सनातन धर्म की यह विशेषता रही है कि यहाँ कर्म, भक्ति और सेवा - तीनों को एक साथ साधा जाता है। आर्यव्रत सेवा न्यास की स्थापना भी इसी त्रिवेणी के संगम पर हुई थी। हमारा संकल्प सदा से यही रहा है कि हम अपनी गौरवशाली संस्कृति की रक्षा करें, समाज के कमजोर वर्गों की सेवा करें और आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जोड़े रखें।

इस वर्ष हमें सौभाग्य प्राप्त हुआ कि हमने दो अत्यंत भव्य एवं पावन आयोजनों का सफलतापूर्वक संचालन किया - श्री राम कथा और 151 कुण्डीय सहस्र चण्डी महायज्ञ। यह दोनों दिव्य आयोजन नारनौल, हरियाणा की पावन धरती पर 23 जनवरी 2026 से 30 जनवरी 2026 तक, पूरे आठ दिनों तक अत्यंत श्रद्धा एवं उल्लास के साथ सम्पन्न हुए। श्री राम कथा केवल एक धार्मिक कार्यक्रम नहीं थी - यह एक आत्मिक यात्रा थी। हमारी संस्था के लिए यह परम सौभाग्य एवं गौरव का विषय रहा कि इस दिव्य कथा का वाचन साक्षात् जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज के श्रीमुख से हुआ। नारनौल की धरती, जो वीरों और संतों की भूमि रही है, उस पर जगद्गुरु जी के श्रीचरणों का स्पर्श होना अपने आप में एक ऐतिहासिक क्षण था। उनकी वाणी में जो माधुर्य है, उनके प्रवचनों में जो गहराई है और रामचरितमानस की जो सजीव व्याख्या वे करते हैं, वह अतुलनीय है।

23 जनवरी से प्रारम्भ होकर प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु उनके श्रीमुख से राम कथा का रसपान करने के लिए उमड़ पड़ते थे। दूर-दूर से आए भक्तगण नारनौल की सड़कों पर राममय हो उठे। उनके श्रीमुख से निःसृत राम कथा को सुनकर हजारों श्रद्धालुओं के नेत्र अश्रुपूरित हो गए और हृदय भक्ति से आप्लावित हो उठे। यह आयोजन हमें स्मरण कराता है कि हम केवल एक संस्था नहीं, बल्कि एक विशाल आध्यात्मिक परिवार हैं।

151 कुण्डीय सहस्र चण्डी महायज्ञ - इस नाम को सुनते ही मन श्रद्धा और विस्मय से भर जाता है। नारनौल के आकाश में उठता यज्ञ का धुआँ, 151 यज्ञकुण्डों में एकसाथ प्रज्वलित अग्नि, वेद मंत्रों की गूँज, और सैकड़ों विद्वान पंडितों की उपस्थिति - यह केवल एक अनुष्ठान नहीं था, यह हमारी वैदिक परंपरा का जीवंत प्रमाण था। 30 जनवरी को पूर्णाहुति के साथ जब यह महायज्ञ सम्पन्न हुआ, तो वातावरण में एक अलौकिक शान्ति और दिव्यता का अनुभव हो रहा था।
इस महायज्ञ में देश के कोने-कोने से यजमान परिवार सम्मिलित हुए और उन्होंने इस पुण्य कार्य में अपनी आहुति दी। हमारे ऋषियों ने कहा है - "यज्ञो वै श्रेष्ठतमं कर्म" - अर्थात यज्ञ सर्वश्रेष्ठ कर्म है। इस महायज्ञ के माध्यम से न केवल सामूहिक कल्याण की कामना की गई, बल्कि हरियाणा एवं समस्त देश में एकता, प्रेम और आध्यात्मिक चेतना का संचार भी हुआ।

इन दोनों आयोजनों की सफलता के पीछे अनगिनत हाथों का परिश्रम, अनगिनत मनों की श्रद्धा और अनगिनत हृदयों का समर्पण है। मैं जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज के प्रति अपनी कृतज्ञता अर्पित करता हूँ, जिन्होंने नारनौल की धरती पर अपनी दिव्य उपस्थिति से इस आयोजन को अनुगृहीत किया। साथ ही मैं हमारे सभी सेवकों, स्वयंसेवकों, दानदाताओं, स्थानीय प्रशासन एवं नारनौल की जनता का हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त करता हूँ। आपके बिना यह सब संभव नहीं था।

आर्यव्रत सेवा न्यास का यह सफर यहीं नहीं रुकेगा। हमारे सामने अभी अनेक लक्ष्य हैं - शिक्षा, स्वास्थ्य, गोसेवा, और सांस्कृतिक संरक्षण के क्षेत्र में हम और अधिक सक्रियता से कार्य करेंगे। हमारा विश्वास है कि जब समाज मिलकर चलता है, तो कोई भी लक्ष्य असाध्य नहीं होता।

अंत में, मैं यही कहना चाहूँगा -

"सेवा ही पूजा है, संस्कृति ही पहचान है,और एकता में ही हमारा बल और सम्मान है।"

आइए, हम सब मिलकर इस संकल्प को और दृढ़ करें तथा आर्यव्रत सेवा न्यास के माध्यम से समाज और राष्ट्र के उत्थान में अपना योगदान देते रहें।

जय श्री राम। जय माँ चण्डी। भारत माता की जय।

श्री विनित पिलानिया (संस्थापक)

श्री राम कथा

आर्यव्रत सेवा न्यास के तत्वावधान में नारनौल की पावन धरती पर जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज के श्रीमुख से श्री राम कथा का दिव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। आठ दिनों तक चले इस अलौकिक महोत्सव में हजारों श्रद्धालुओं ने राम नाम के रस में डूबकर अपने जीवन को धन्य किया।

जनवरी 2026 का वह सुनहरा क्षण, जब नारनौल की धरती पर साक्षात् दिव्यता का अवतरण हुआ। 23 जनवरी 2026 को जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज जब नारनौल पधारे, तो पूरे नगर में एक अलौकिक उत्साह और श्रद्धा की लहर दौड़ गई। सैकड़ों भक्तजन उनके स्वागत में उमड़ पड़े। फूलों की वर्षा, जयकारों की गूँज और भक्ति के उद्घोष से नारनौल का कण-कण राममय हो उठा। यह केवल एक महापुरुष का आगमन नहीं था - यह मानो स्वयं राम कथा का धरती पर अवतरण था।

सात दिन, सात अमृत धाराएँ

24 जनवरी से प्रतिदिन जगद्गुरु जी के श्रीमुख से रामचरितमानस की दिव्य कथा का प्रवाह आरम्भ होता था। उनकी वाणी में ऐसा माधुर्य था, उनके प्रवचनों में ऐसी गहराई थी कि श्रोतागण मंत्रमुग्ध हो जाते थे। बालकाण्ड से लेकर उत्तरकाण्ड तक, मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के सम्पूर्ण जीवन चरित्र की जो सजीव एवं भावपूर्ण व्याख्या उन्होंने की, वह अतुलनीय थी। प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु दूर-दूर से आकर इस अमृत वर्षा में भीगते थे। कथा पण्डाल में बैठे भक्तों के नेत्र बार-बार अश्रुपूरित हो उठते और हृदय भक्ति एवं वैराग्य से भर जाता। जगद्गुरु जी ने केवल कथा का वाचन ही नहीं किया, अपितु प्रत्येक प्रसंग के माध्यम से जनसामान्य को जीवन जीने की दिशा भी दी। उन्होंने श्री राम के आदर्शों को आज के युग से जोड़ते हुए समझाया कि किस प्रकार हम अपने दैनिक जीवन में मर्यादा, प्रेम, त्याग और धर्म को अपना सकते हैं।

सनातन धर्म से जुड़े रहने का आह्वान

कथा के दौरान जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज ने बार-बार जनसामान्य को अपनी सनातनी जड़ों से जुड़े रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज के आधुनिक युग में जब पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव बढ़ रहा है, तब हमारे लिए और भी आवश्यक हो जाता है कि हम अपनी वैदिक परम्पराओं, संस्कारों और धर्मग्रंथों से जुड़े रहें।

उन्होंने माताओं और बहनों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को बचपन से ही रामायण, गीता और हमारे पुराणों के संस्कार दें। युवाओं को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति विश्व की सर्वश्रेष्ठ संस्कृति है और इस पर गर्व करना हमारा कर्तव्य है। उनके इन उद्बोधनों ने उपस्थित जनसमूह के हृदय में सनातन धर्म के प्रति गर्व और समर्पण की भावना को और प्रगाढ़ किया।

संतों एवं पीठाधीश्वरों का पावन समागम

इस दिव्य आयोजन की सबसे विशेष बात यह रही कि देश के विभिन्न धार्मिक पीठों के पूजनीय पीठाधीश्वर, महामण्डलेश्वर एवं सन्त-महात्मा नारनौल पधारे और अपनी दिव्य उपस्थिति से इस आयोजन को अभूतपूर्व गरिमा प्रदान की। जिन महान विभूतियों ने इस आयोजन को अपने श्रीचरणों से पावन किया, वे इस प्रकार हैं:

- जगद्गुरु स्वामी श्री वैदेही वल्लभ देवाचार्य महाराज जी
- अनन्त श्री समलाकृत गौ सन्तसेवी वैष्णव कुलभूषण धर्मसम्राट अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के पूर्व अध्यक्ष महन्त श्री ज्ञानदास जी महाराज, श्री हनुमानगढ़ी, अयोध्या
- अनन्त श्री विभूषित टीलागदाचार्य मंगलपीठाधीश्वर पूज्य श्री माधवाचार्य जी महाराज, यज्ञ सम्राट, मुम्बई, महाराष्ट्र
- श्रीमद जगद्गुरु रामानंदाचार्य वल्लभाचार्य जी महाराज, अयोध्या धाम
- अनन्त श्री विभूषित धर्माचार्य महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 श्री अखिलेश्वर महाराज जी
- श्री श्री 1008 श्री महंत श्री गौरी शंकर दास जी
- श्रीमद जगद्गुरु विट्ठल द्वाराचार्य श्री विजय रामदेवाचार्य भैयादास जी महाराज
- अनंत श्री विभूषित श्रीमद जगद्गुरु बाहुबली द्वाराचार्य श्री बलदेवाचार्य जी महाराज दाऊजी धाम, काला कोटा, नीम का थाना, सीकर
- अखिल भारतीय पंच दिगंबर अनी अखवाड़ा के महंत श्री श्री 1008 श्री महंत वैष्णवदास जी महाराज, अयोध्या धाम
- अखिल भारतीय पंच दिगंबर अनी अखवाड़ा के महंत श्री श्री 1008 श्री महंत माधवदास मौनी बाबा, वृन्दावन
- अखिल भारतीय पंच निर्वाणी अनी अखवाड़े के महंत श्री श्री 1008 श्री महंत पूज्य श्री मुरलीदास जी महाराज, हनुमानगढ़ी, श्री अयोध्या धाम
- श्री श्री 1008 श्री महंत माधवदास जी महाराज पूर्व प्रधानमंत्री तीनों वैष्णव अनी अखवाड़ा
- अखिल भारतीय पंच निर्मोही अनी अखवाड़े के अध्यक्ष श्री श्री 1008 श्री रामदास जी महाराज, चित्रकूट
- अनन्तविभूषित परम पूज्य श्री श्री 1008 महामण्डलेश्वर स्वामी राघवेन्द्र भारती जी महाराज (निरञ्जनी अखवाड़ा)
- श्रीमद्जगद्गुरु नरहरियानन्दाचार्य स्वामी बालक देवाचार्य जी महाराज, पातालपुरी मठ, काशी

- श्री श्री 1008 श्री महन्त हेमन्तदास जी महाराज, श्री अयोध्याधाम

- श्री संजय दास जी महाराज - उत्तराधिकारी- धर्म सम्राट पूज्यपाद श्रीमहंत ज्ञानदास जी महाराज श्री हनुमानगढ़ी, अयोध्या धाम, राष्ट्रीय अध्यक्ष- संकट मोचन सेना

- महन्त श्री चन्द्रमादास जी महाराज, पलसर गौशाला, रेवासा, राजस्थान

- अनंत विभूषित परम तपस्वी पीत राग योगी श्री श्री 1008 परम पूज्य कालीदास जी महाराज

- श्री श्री 1008 श्री महन्त स्वामी राजेन्द्रदास जी महाराज, जटेला धाम

इनके अतिरिक्त देश के विभिन्न भागों से अनेक तपस्वी सन्त-महात्मा एवं धर्माचार्य भी इस पावन अवसर पर नारनौल पधारे। जब इतने सारे सन्त एक ही पण्डाल में एकत्रित हुए, तो वह दृश्य सनातन धर्म की एकता और अखण्डता का जीवंत प्रतीक बन गया। नारनौल की जनता ने इन सभी सन्त-महात्माओं का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया और उनके दर्शन एवं आशीर्वाद से स्वयं को कृतार्थ अनुभव किया।

कार्यक्रम के मार्गदर्शक एवं संरक्षक

जिनके सान्निध्य में यह महाआयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ

यह भव्य आयोजन केवल आर्यव्रत सेवा न्यास के संकल्प एवं श्रद्धालुओं की भक्ति का ही परिणाम नहीं था, अपितु अनेक महान विभूतियों के आशीर्वाद, मार्गदर्शन एवं पावन सान्निध्य ने इस आयोजन को और भी गरिमामय एवं ऐतिहासिक बना दिया। धर्म, समाज एवं राजनीति के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाले इन सभी महानुभावों की उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को एक अभूतपूर्व स्वरूप प्रदान किया-

- माननीय श्री बड़े दिनेश जी, अन्तर्राष्ट्रीय संरक्षक - विश्व हिन्दू परिषद
- माननीय श्री चंपत राय जी, महासचिव - श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र एवं अन्तर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष - विश्व हिन्दू परिषद

- माननीय श्री धर्मवीर सिंह जी, सांसद, हरियाणा

- माननीय श्री राव नरबीर सिंह जी, कैबिनेट मंत्री, हरियाणा सरकार
- माननीय श्री अरविन्द शर्मा जी, कैबिनेट मंत्री, हरियाणा सरकार
- माननीय श्री कृष्ण लाल पंवार जी, कैबिनेट मंत्री, हरियाणा सरकार
- माननीय श्री झाबर सिंह खर्रा, कैबिनेट मंत्री, राजस्थान सरकार

- माननीय डॉ. अभय सिंह यादव जी, पूर्व कैबिनेट मंत्री, हरियाणा सरकार
- माननीय श्री असीम गोयल जी, पूर्व कैबिनेट मंत्री, हरियाणा सरकार

- माननीय श्री मोहन लाल बड़ोली जी, प्रदेश अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी, हरियाणा
- माननीय श्री फणेंद्रनाथ शर्मा जी, महासचिव (संगठन), भारतीय जनता पार्टी, हरियाणा
- माननीय श्री राव नरेंद्र सिंह जी, प्रदेश अध्यक्ष, कांग्रेस, हरियाणा
- माननीय श्री जयदीप धनखड़ जी, महासचिव (संगठन), कांग्रेस, हरियाणा

- माननीय श्री ओम प्रकाश यादव जी, विधायक, नारनौल
- माननीय श्री कंवर सिंह यादव जी, विधायक, महेन्द्रगढ़
- माननीय श्री रणधीर पनिहार जी, विधायक, नलवा
- माननीय श्री जस्सी पेटवाड़ जी, विधायक, नारनौंद
- माननीय श्री (ई.जी.) धर्मपाल गुर्जर जी, विधायक, खेतड़ी (राजस्थान)
- माननीय श्री ललित यादव जी, विधायक, मुंडावर (राजस्थान)
- माननीय मंजू चौधरी जी, विधायक, नांगल चौधरी
- माननीय शकुंतला खटक जी, विधायक, कलानौर

- माननीय संतोष यादव जी, पूर्व उपसभापति, हरियाणा सरकार
- माननीय श्री दीपक मंगला जी, पूर्व विधायक, पलवल
- माननीय श्री राधेश्याम शर्मा जी, पूर्व विधायक, नांगल चौधरी
- माननीय श्री मंजीत धर्मपाल चौधरी जी, पूर्व विधायक, मुंडावर (खैरथल-तिजारा)
- माननीय श्री शुभकरण चौधरी जी, पूर्व विधायक, उदयपुर-वाटी (राजस्थान)
- माननीय श्री इंद्रराज गुर्जर जी, पूर्व विधायक, विराट नगर, राजस्थान

- माननीय कमलेश सैनी जी, प्रधान - नगर परिषद, नारनौल
- माननीय श्री जे.पी. सैनी जी, चेयरमैन - मार्केट कमेटी एसोसिएशन, नारनौल

- माननीय श्री यतेन्द्र राव जी, जिला अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी, महेन्द्रगढ़
- माननीय भारती सैनी जी, जिला अध्यक्ष भाजपा महिला मोर्चा, महेन्द्रगढ़
- माननीय श्री महेंद्र गौड़ जी, पूर्व पार्षद व भाजपा नेता नारनौल
- माननीय श्री अनिल भारद्वाज जी एडवोकेट , पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा
- माननीय श्री राजकुमार चौधरी जी एडवोकेट, पूर्व प्रधान, नगर परिषद नारनौल
- माननीय श्री हेमंत चौबे जी, मंडल अध्यक्ष भाजपा
- माननीय श्री राजेंद्र यादव जी, वरिष्ठ भाजपा नेता नारनौल
- माननीय सुमन दहिया जी, वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उपाध्यक्ष - हरियाणा महिला आयोग
- माननीय आयुषी पांडे जी, मीडिया सहप्रभारी - भाजपा महिला मोर्चा, छत्तीसगढ़

- माननीय श्री गोविंद भारद्वाज जी, पूर्व अध्यक्ष - हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन
- माननीय श्री ऋषिपाल डडवाल जी, राष्ट्रीय अध्यक्ष - सेवा भारती
- माननीय श्री सुखदेव भारद्वाज जी, प्रदेश संगठन मंत्री - सेवा भारती (दिल्ली प्रदेश)
- माननीय श्री सावंत सिंह जी, जिला अध्यक्ष - विश्व हिन्दू परिषद, महेन्द्रगढ़
- माननीय श्री विजय शर्मा जी, नगर संघचालक - राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, नारनौल
- माननीय श्री मनोज शास्त्री जी, जिला कार्यवाह - राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, महेन्द्रगढ़
- माननीय श्री प्रेम सैनी जी, पूर्व जिला कार्यवाह - राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, महेन्द्रगढ़

- माननीय श्री मनोज तिवारी जी, प्रयागराज
- माननीय श्री राम सिंह जी मधुर, सामाजिक कार्यकर्ता नारनौल
- माननीय श्रीमती मंजू सोनी जी
- माननीय श्रीमती कुसुम निर्मल जी
- माननीय श्री रमेश सैनी जी

पूर्णाहुति - एक दिव्य समापन

30 जनवरी 2026 को श्री राम कथा का भव्य समापन हुआ। जगद्गुरु जी ने अपने अन्तिम प्रवचन में समस्त जनसमूह को आशीर्वाद दिया और आर्यव्रत सेवा न्यास के सेवाकार्यों की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। राम नाम के जयघोष के साथ जब इस आठ दिवसीय महोत्सव का समापन हुआ, तो वातावरण में एक अलौकिक शान्ति व्याप्त थी।

नारनौल के इतिहास में यह राम कथा सदा के लिए एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में अंकित हो गई।

जय श्री राम

151 कुण्डीय सहस्र चण्डी महायज्ञ

शक्ति की उपासना, राष्ट्र का कल्याण

सनातन धर्म की यह विशेषता रही है कि इसमें व्यक्ति के कल्याण से लेकर समष्टि के उत्थान तक, सभी के लिए मार्ग प्रशस्त किया गया है। हमारे ऋषि-मुनियों ने हजारों वर्ष पूर्व जिन अनुष्ठानों की रचना की, वे आज भी उतने ही प्रासंगिक और फलदायी हैं। इन्हीं महान अनुष्ठानों में से एक है - सहस्र चण्डी महायज्ञ और जब यह यज्ञ 151 कुण्डों में एकसाथ सम्पन्न हो, तो उसकी दिव्यता और फलप्राप्ति का अनुमान लगाना सामान्य मनुष्य के लिए सम्भव नहीं।

आर्यव्रत सेवा न्यास ने इसी पुनीत संकल्प को साकार करते हुए 23 जनवरी से 30 जनवरी 2026 तक नारनौल, हरियाणा की पावन धरती पर 151 कुण्डीय सहस्र चण्डी महायज्ञ का भव्य आयोजन किया। यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टि से अपितु सामाजिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण था।

सहस्र चण्डी महायज्ञ क्या है?

सहस्र चण्डी महायज्ञ एक अत्यंत दुर्लभ एवं विशिष्ट वैदिक अनुष्ठान है। इस यज्ञ में माँ दुर्गा के सर्वाधिक प्रभावशाली स्वरूप माँ चण्डी की आराधना की जाती है। श्री दुर्गासप्तशती अथवा चण्डीपाठ जो कि मार्कण्डेय पुराण का अंग है, उसका एक सहस्र अर्थात् एक हजार बार पाठ इस अनुष्ठान में किया जाता है। यह पाठ विद्वान पण्डितों एवं आचार्यों द्वारा पूर्ण विधि-विधान, शुद्धता एवं संकल्प के साथ सम्पन्न किया जाता है।
धर्मग्रंथों में वर्णित है कि माँ चण्डी की उपासना से समस्त विघ्न-बाधाओं का नाश होता है, शत्रुओं पर विजय प्राप्त होती है, रोग-दोष दूर होते हैं और साधक को धर्म, अर्थ, काम तथा मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसीलिए यह महायज्ञ व्यक्तिगत कल्याण के साथ-साथ राष्ट्र एवं समाज के कल्याण के लिए भी आयोजित किया जाता है।
जब इस अनुष्ठान को 151 यज्ञकुण्डों में एकसाथ सम्पन्न किया जाता है, तो इसकी शक्ति और प्रभाव अनन्तगुना बढ़ जाता है। 151 की संख्या अपने आप में विशेष है - यह पूर्णता, शक्ति और मंगलकारी भावना का प्रतीक है।

यज्ञ का वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक महत्व

यज्ञ केवल एक धार्मिक क्रिया नहीं है - इसका वैज्ञानिक महत्व भी उतना ही गहरा है। आधुनिक विज्ञान भी यह स्वीकार करता है कि यज्ञ में प्रयुक्त हवन सामग्री, घी एवं जड़ी-बूटियाँ जब अग्नि में आहुत होती हैं, तो वायुमण्डल में ऐसे तत्व फैलते हैं जो वातावरण को शुद्ध करते हैं, रोगाणुओं का नाश करते हैं और मानव मन को शान्ति एवं ऊर्जा प्रदान करते हैं।

आध्यात्मिक दृष्टि से यज्ञ देवताओं एवं मनुष्यों के बीच एक पवित्र सेतु है। जब हम यज्ञ में आहुति देते हैं, तो हमने प्रकृति से जो लिया है उसको लौटाने का संकल्प लेते हैं। यह त्याग की भावना, समर्पण की भावना और परमात्मा के प्रति कृतज्ञता की भावना का सजीव प्रतीक है।

151 कुण्डों में एकसाथ प्रज्ज्वलित अग्नि से उत्पन्न ऊर्जा ने नारनौल एवं उसके आसपास के वातावरण को निश्चित रूप से सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया।

यजमान परिवारों का समर्पण

इस महायज्ञ की सबसे सुन्दर विशेषता यह रही कि इसमें भाग लेने वाले यजमान परिवार केवल किसी कर्मकाण्ड को पूरा करने नहीं आए थे - वे सच्ची श्रद्धा और पूर्ण समर्पण के साथ माँ चण्डी की शरण में आए थे। राजस्थान, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, मध्य प्रदेश सहित देश के अनेक राज्यों से आए यजमान परिवारों ने अपनी-अपनी आहुतियाँ अर्पित कीं और माँ चण्डी से अपने परिवार, समाज एवं राष्ट्र के कल्याण की प्रार्थना की।

अनेक यजमान परिवारों ने बताया कि यह अनुभव उनके जीवन का सबसे पावन और अविस्मरणीय क्षण था। कई श्रद्धालुओं की आँखों में आँसू थे - ये आँसू दुःख के नहीं, भक्ति की परिपूर्णता के आँसू थे।

पूर्णाहुति — एक ऐतिहासिक क्षण

30 जनवरी 2026 को महायज्ञ की पूर्णाहुति का दिन था। इस दिन यज्ञशाला में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। जब सैकड़ों आचार्यों ने एक साथ अंतिम आहुतियाँ दी और — "ॐ स्वाहा... ॐ स्वाहा..." की ध्वनि आकाश में गूँज उठी, तो उस क्षण को शब्दों में वर्णन करना सम्भव नहीं था। उपस्थित सन्त-महात्माओं ने पूर्णाहुति के पश्चात् आशीर्वचन दिए और इस महायज्ञ को सनातन धर्म की एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। आर्यव्रत सेवा न्यास के इस अभूतपूर्व आयोजन की सभी सन्त-महात्माओं ने मुक्तकंठ से प्रशंसा की और कहा कि इस प्रकार के आयोजन ही समाज में धर्म, संस्कृति एवं आध्यात्मिकता की जड़ों को सींचते हैं।

151 कुण्डीय सहस्र चण्डी महायज्ञ केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं था - यह आर्यव्रत सेवा न्यास का वह संकल्प था जो यह घोषित करता है कि हमारी वैदिक परम्पराएँ आज भी जीवित हैं, आज भी प्रासंगिक हैं और आने वाली पीढ़ियों को भी इनसे जोड़ना हमारा दायित्व है। नारनौल की इस पावन धरती पर माँ चण्डी की कृपा सदा बनी रहे और आर्यव्रत सेवा न्यास का यह सेवाकार्य निरन्तर आगे बढ़ता रहे - यही हमारी प्रार्थना है।

"या देवी सर्वभूतेषु शक्तिरूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः ॥"

जय माँ चण्डी। जय श्री राम। भारत माता की जय।

ऐतिहासिक घोषणा

पश्चिम भारत में सनातन धर्म के उत्थान का दायित्व

इस महायज्ञ के दौरान एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक क्षण भी उपस्थित हुआ, जो आर्यव्रत सेवा न्यास के लिए एक अभूतपूर्व सम्मान एवं गौरव का विषय बना। जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज ने इस पावन अवसर पर सार्वजनिक रूप से घोषणा करते हुए भारत के पश्चिम क्षेत्र में सनातन धर्म के उत्थान, संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार का दायित्व आर्यव्रत सेवा न्यास के संस्थापक श्री विनीत पिलानिया जी को सौंपा।

जगद्गुरु जी ने श्री विनीत पिलानिया जी की सेवानिष्ठा, धर्मपरायणता एवं समाज के प्रति समर्पण की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि श्री पिलानिया जी ने आर्यव्रत सेवा न्यास के माध्यम से जिस प्रकार सनातन संस्कृति की सेवा एवं समाज के उत्थान का कार्य किया है, वह अत्यंत प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय है। यह दायित्व सौंपा जाना न केवल श्री विनीत पिलानिया जी के लिए, अपितु समस्त आर्यव्रत सेवा न्यास परिवार के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण था।

जगद्गुरु जी ने श्री विनीत पिलानिया जी की सेवानिष्ठा, धर्मपरायणता एवं समाज के प्रति समर्पण की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि श्री पिलानिया जी ने आर्यव्रत सेवा न्यास के माध्यम से जिस प्रकार सनातन संस्कृति की सेवा एवं समाज के उत्थान का कार्य किया है, वह अत्यंत प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय है। यह दायित्व सौंपा जाना न केवल श्री विनीत पिलानिया जी के लिए अपितु समस्त आर्यव्रत सेवा न्यास परिवार के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण था।

पर्यावरण संरक्षण

वृक्षो रक्षति रक्षितः

आर्यव्रत सेवा न्यास के संस्थापक श्री विनीत पिलानिया जी वृक्षारोपण करते हुए

सनातन धर्म ने सदैव प्रकृति को माता का दर्जा दिया है। नदियाँ, वृक्ष, पर्वत - ये सब हमारी संस्कृति में पूजनीय रहे हैं। आज जब पर्यावरण प्रदूषण, वृक्षों की अंधाधुंध कटाई और जलवायु परिवर्तन एक गम्भीर वैश्विक संकट बन चुके हैं, तब आर्यव्रत सेवा न्यास ने इस चुनौती को एक धार्मिक एवं सामाजिक दायित्व के रूप में स्वीकार किया है।

आर्यव्रत सेवा न्यास के संस्थापक श्री विनीत पिलानिया जी का यह दृढ़ विश्वास है कि धर्म और पर्यावरण एक-दूसरे से अभिन्न रूप से जुड़े हैं। उनके नेतृत्व में न्यास ने पर्यावरण संरक्षण को अपने सेवाकार्यों का एक अनिवार्य अंग बना लिया है।

श्री विनीत पिलानिया जी का मानना है कि - "जब हम एक पौधा लगाते हैं, तो हम केवल एक वृक्ष नहीं लगाते - हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ भविष्य की नींव रखते हैं। इसी सोच को साकार करते हुए श्री पिलानिया जी ने न्यास के प्रत्येक आयोजन में पर्यावरण संरक्षण को एक अनिवार्य अंग के रूप में सम्मिलित किया है। वे स्वयं प्रत्येक वृक्षारोपण कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं और समाज को इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरित करते हैं।

प्रकृति सेवा एक धार्मिक दायित्व

हमारे शास्त्रों में पीपल, बरगद, तुलसी एवं आँवले जैसे वृक्षों को देवतुल्य माना गया है। इन वृक्षों की पूजा करने की परम्परा वास्तव में पर्यावरण संरक्षण की एक वैज्ञानिक पद्धति है जिसे हमारे ऋषि-मुनियों ने हजारों वर्ष पूर्व ही स्थापित कर दिया था। आर्यव्रत सेवा न्यास इसी परम्परा को पुनर्जीवित करते हुए प्रकृति सेवा को धर्म सेवा का ही एक रूप मानता है।

धर्म और सेवा के इस महापर्व में एक और पावन कार्य सम्पन्न हुआ जो पर्यावरण संरक्षण के प्रति आर्यव्रत सेवा न्यास की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। असम राइफल्स भूतपूर्व सैनिक संघ, नांगल चौधरी द्वारा आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में आर्यव्रत सेवा न्यास की ओर से 250 पौधों का वितरण किया गया।

हमारे शास्त्रों में वृक्षों को देवतुल्य माना गया है। "वृक्षो रक्षति रक्षितः" - अर्थात जो वृक्षों की रक्षा करता है, वृक्ष उसकी रक्षा करते हैं। इसी भावना को आत्मसात् करते हुए यह पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इन 250 पौधों का वितरण इस संदेश के साथ किया गया कि प्रत्येक व्यक्ति कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसका पालन-पोषण अपनी सन्तान की भाँति करे।

असम राइफल्स भूतपूर्व सैनिक संघ के सदस्यों ने इस पहल की सराहना की। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने आर्यव्रत सेवा न्यास के इस हरित प्रयास को समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश बताया। यह कार्यक्रम इस बात का प्रमाण है कि आर्यव्रत सेवा न्यास केवल धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यों तक ही सीमित नहीं है, अपितु पर्यावरण संरक्षण जैसे सामाजिक दायित्वों के प्रति भी उतना ही सजग एवं प्रतिबद्ध है।

गौ रक्षा दल

आर्यव्रत सेवा न्यास की गौसेवा शाखा

सनातन धर्म में गाय को माता का दर्जा दिया गया है। हमारे शास्त्रों में कहा गया है -

"गावो विश्वस्य मातरः"

अर्थात गाय समस्त विश्व की माता है। इसी पवित्र भावना को आत्मसात् करते हुए आर्यव्रत सेवा न्यास ने गौ रक्षा दल की स्थापना की - एक ऐसा संगठन जो गौ माता की रक्षा, सेवा एवं संवर्धन के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्यरत है। यह दल आर्यव्रत सेवा न्यास की उस भावना का विस्तार है जो मानती है कि गौसेवा केवल एक धार्मिक कर्तव्य नहीं, अपितु एक राष्ट्रीय दायित्व भी है।

गौ रक्षा दल को श्री सुधीर चौधरी जी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। श्री सुधीर चौधरी जी की गौसेवा के प्रति अगाध श्रद्धा एवं अटूट समर्पण ने इस दल को एक नई ऊर्जा एवं दिशा प्रदान की है। उनके नेतृत्व में दल के सेवक प्रतिदिन गौ माता की सेवा में तन-मन-धन से जुटे रहते हैं। उनका यह कथन दल के प्रत्येक सेवक के लिए प्रेरणा का स्रोत है -

"जिस घर में गौ माता की सेवा होती है, उस घर में लक्ष्मी का वास होता है और जिस समाज में गौ माता सुरक्षित है, वह समाज सदैव समृद्ध रहता है।"

गौ रक्षा दल के कार्य एवं उद्देश्य

आवारा एवं निराश्रित गायों की सेवा

आज के समय में सड़कों पर घूमती आवारा एवं निराश्रित गायें एक गम्भीर समस्या बन गई हैं। गौ रक्षा दल ऐसी गायों की पहचान कर उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुँचाने का कार्य करता है। इन निराश्रित गायों के लिए चारे, पानी एवं आश्रय की व्यवस्था करना दल की प्राथमिकताओं में सर्वोपरि है। दल के सेवक प्रतिदिन क्षेत्र में भ्रमण कर घायल, बीमार एवं भूखी गायों की देखभाल करते हैं।

गायों की चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा

घायल एवं बीमार गायों के उपचार हेतु गौ रक्षा दल पशु चिकित्सकों के सहयोग से निःशुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन करता है। सड़क दुर्घटना में घायल गायों को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान करना, गायों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था करना तथा आयुर्वेदिक एवं प्राकृतिक पद्धतियों से गायों का उपचार करना दल के चिकित्सा सेवाकार्यों का भाग है।

गौ पोषण एवं देखभाल

गौ रक्षा दल गायों के समुचित पोषण एवं देखभाल के प्रति सतर्क है। पौष्टिक चारे की व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता तथा ऋतु के अनुसार गायों की विशेष देखभाल सुनिश्चित करना दल के नियमित कार्यों में सम्मिलित है। गर्मियों में लू से बचाव, सर्दियों में ठण्ड से सुरक्षा तथा वर्षा ऋतु में उचित आश्रय की व्यवस्था करना दल के सेवकों की दिनचर्या का अभिन्न अंग है।

गौ तस्करी एवं अत्याचार के विरुद्ध सजगता

गौ रक्षा दल गौ तस्करी एवं गायों पर होने वाले अत्याचारों के विरुद्ध सदैव सजग एवं सक्रिय रहता है। संदिग्ध गतिविधियों की सूचना प्रशासन तक पहुँचाना, गौ रक्षा से सम्बन्धित कानूनों के बारे में जनसामान्य को जागरूक करना तथा गायों की अवैध तस्करी को रोकने में प्रशासन का सहयोग करना दल के सामाजिक दायित्वों का भाग है।

जन-जागरण एवं गौ महिमा का प्रचार

गौ रक्षा दल केवल सेवाकार्यों तक ही सीमित नहीं है, अपितु समाज में गौ माता के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाने का कार्य भी करता है। विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में गौ महिमा पर व्याख्यानों का आयोजन, गौ सेवा शिविरों का संचालन, गाँव-गाँव में जाकर लोगों को गौ पालन के लिए प्रेरित करना तथा गौमूत्र एवं गोबर के औषधीय एवं कृषि उपयोग के बारे में जानकारी प्रदान करना दल के जन-जागरण कार्यक्रमों का हिस्सा है।

गौ सेवा - विज्ञान एवं अध्यात्म का संगम

गाय केवल एक पशु नहीं है - वह एक जीवंत औषधालय है। गाय का दूध, दही, घी, गोमूत्र एवं गोबर - ये पंचगव्य अनेक रोगों के उपचार में अत्यंत प्रभावी सिद्ध हुए हैं। आधुनिक विज्ञान भी अब यह स्वीकार कर रहा है कि गाय के घी से यज्ञ करने पर वातावरण में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है और गोबर से बने उत्पाद पर्यावरण के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। गौ रक्षा दल इसी वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक दृष्टिकोण से गौसेवा के कार्य को आगे बढ़ा रहा है।

"गौ माता की सेवा में लगाया गया एक पल, जीवन भर के पुण्य के समान है।"

- श्री सुधीर चौधरी जी

गौ माता की जय। भारत माता की जय।

झलकियाँ

तस्वीरों में कार्यक्रम — भक्ति और कृपा के क्षण

देश के प्रमुख समाचार पत्रों में आर्यव्रत सेवा न्यास की गूँज

मेरठ

ल के समीप जौरासी धाम मे 151 कुंडीय सहस्त्र चंडी महायज्ञ ं श्रीराम कथा के दूसरे दिन उमड़ा श्रालुओं का जन सैलाब

(संवाददाता)। क जौरासी धाम में स्त्र चंडी महायज्ञ के दूसरे दिन हजारों श्रद्धालुगण श्रीराम पहुंचे। इस अवसर धीश्वर शेष मठ मठ पीठाधीश्वर मानंदाचार्य स्वामी चार्य जी महाराज, र मौजूद रहे। उनके भारतीय अखाड़ा अध्यक्ष धर्म सम्राट स जी महाराज या के उत्तराधिकारी जी एवं महंत हेमंत लपुरी पीठाधीश्वर श्रीमद जगतगुरु राचार्य बालक राज द्ध काशी ऋ महंत शिव दास जी र एवं काशी, मुंबई, दास जी महाराज हंत अवध किशोर द्ध काशी ऋ मौजूद था के दूसरे दिन श्री रामभद्राचार्य जी के जन्म का सुंदर हीं पंडाल में हजारों)लुओं ने श्री राम उठाया। इस दौरान लुगण भाव विभोर से पहले जगतगुरु भद्राचार्य जी के चार्य रामचंद्र दास क्रम के भाव और के लिए खोलकर रपूर प्रशंसा की।

उन्होंने कहा कि आर्यावर्त सेवा न्यास ने आज नारनौल में फिर से मानो कुंभ लगा दिया है उन्होंने कहा कि जो लोग पिछले साल कुंभ में नहीं जा सके थे। वह लोग जौरासी धाम में आयोजित इस कार्यक्रम में आकर कुंभ जैसा अनुभव कर सकते हैं

कथा के दूसरे दिन हरियाणा के कैबिनेट मिनिस्टर राव नरबीर सिंह पहुंचे। उन्होंने इस भव्य एवं सफल आयोजन के लिए आयोजक मंडल को बधाई दी। तो वहीं उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए परम सौभाग्य का विषय है कि जगतगुरु स्वामी श्रीरामभद्राचार्य जी के पुण्य चरण इस इलाके में पड़े और उनके मुखारविंद से हम सबको यही बैठकर श्री राम कथा सुनने का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम में पहुंचे नारनौल के विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव ने कहा कि यहां शु) रूप से राम कथा का प्रवचन हो रहा है। यह इलाके का सौभाग्य है कि हमारे क्षेत्र के अंदर इस भव्य कार्यक्रम के लिए इस ऐतिहासिक एवं पवित्र जगह को चुना गया। यह भी भगवान की विशेष पा है कि हमारे लोग यही इस स्थान पर बैठ कर जगद्गुरु स्वामी श्री रामभद्राचार्य जी के मुखारविंद से श्रीराम कथा को सुन पा रहे हैं। पूर्व मंत्री डॉ. अभय सिंह यादव ने अपने संबोधन में कहा कि धर्म का उद्देश्य समाज को दिशा देना और मानवता को सशक्त बनाना है। रामकथा जैसे आयोजन सेवा, सद्भाव और संस्कारों को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने आर्यव्रत सेवा न्यास द्वारा किए जा

रहे धार्मिक व सामाजिक प्रयासों की सराहना की।

दूसरे दिन महायज्ञ के समय लोकसभा सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह भी पहुंचे। समाजसेवी, युवा उद्यमी व पर्यावरणविद विनीत पिलानिया ने सभी अतिथियों का धर्मध्वज ओढ़ाकर पारंपरिक व श्र)ापूर्ण तरीके से स्वागत किया। रामकथा स्थल पर धार्मिक वातावरण, जय श्रीराम के उद्घोष और श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति ने आयोजन को भव्य स्वरूप प्रदान किया। इनके अलावा कार्यक्रम में हरियाणा भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व चेयरमैन गोविंद भारद्वाज, अटेली के पूर्व विधायक सीताराम यादव, पूर्व मंत्री डा. अभय सिंह यादव, पूर्व मंत्री कैलाश चंद शर्मा, पूर्व विधायक राधेश्याम शर्मा, वैद्य किशन वशिष्ठ, नरेंद्र झिमरिया समेत अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पलवल में भव्यता के साथ मनाया जाएगा 77 वां गणतंत्र दिवस समारोह

दैनिक ट्रिब्यून

10/21

गांव जौरासी में 151 कुंडीय चंडी महाय जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने सुनाई रामक

■ कार्यक्रम में सांसद धर्मबीर, मंत्री राव नरबीर व विधायक ओम प्रकाश ने की शिरकत

नारनौल, 25 जनवरी (हप्र)

गांव जौरासी में 151 कुंडीय सहस्त्र चंडी महायज्ञ व श्रीराम कथा के दूसरे दिन जगद् गुरु स्वामी रामभद्राचार्य ने भगवान राम की जन्म कथा का गुणगान किया। धाम में हजारों की संख्या में श्रद्धालु कथा सुनने पहुंचे। इस अवसर पर सांसद धर्मबीर सिंह व कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह भी पहुंचे। उन्होंने आयोजक मंडल को बधाई देते हुए कहा कि यह हमारे लिए परम सौभाग्य का विषय है कि जगतगुरु स्वामी श्रीरामभद्राचार्य के पुण्य चरण इस इलाके में पड़े और उनके मुखारविंद से हम सबको यही बैठकर श्री राम कथा सुनने का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम में पहुंचे नारनौल से विधायक व पूर्व मंत्री ओम प्रकाश

नारनौल में मंत्री राव नरबीर सिंह को आशीर्वाद देते स्वामी रामभद्राचार्य। -हप्र

यादव ने कहा कि यहां शुद्ध रूप से राम कथा का प्रवचन हो रहा है। यह इलाके का सौभाग्य है कि हमारे क्षेत्र के अंदर इस भव्य कार्यक्रम के लिए इस जगह को चुना गया। यह भी भगवान की विशेष कृपा है कि हमारे लोग यही इस स्थान पर बैठ कर जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य के मुखारविंद से श्रीराम कथा को सुन पा रहे हैं।

वहीं श्रीराम कथा के बाद श्रद्धालुओं ने जयपुर से पहुंची गायिका रजनी राजस्थानी के भजनों का भी जमकर आनंद उठाया।

रजनी राजस्थानी के भ श्रद्धालु झूमते नजर आए आनंद भी उठाया। इस आर्यवर्त सेवा न्यास के विनीत पिलानिया, पीठाधीश्वर शेष मठ, कौशलेंद्र मठ, पीठाधीश्वर रामानंदाचार्य, स्वामी वैदेही देवाचार्य महाराज जौधपुर पर मौजूद रहे। उनके साथ भारतीय अखाड़ा परिषद अध्यक्ष धर्म सम्राट महंत महाराज हनुमानगढ़ी अयो उत्तराधिकारी महंत संजय महंत हेमंत दास पातालपुरी पीठाधीश्वर विभूषित श्रीमद नरहरियानंद द्वाराचार्य देवाचार्य महाराज (काश उनके साथ महंत शिव दास रामेश्वरम एवं काशी, मुंब जगदीश्वर दास महाराज अवध किशोर दास जी मौजूद रहे।

भगवान श्रीराम जन्म प्रसंग पर भावविभोर हुए श्रद्धाल, उमड़ा सैलाब

जो लोग कुंभ नहीं जा सके, वे नारनौल आकर कुंभ जैसा अनुभव कर सकते हैं : जगतगुरु रामभद्राचार

रासी धाम में 151 कुंडीय सहस्त्र चंडी महायज्ञ व श्रीराम कथा का दूसरा दिन, भजनों पर झूमे श्रद्धा

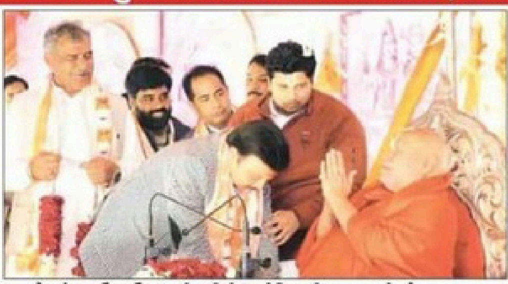

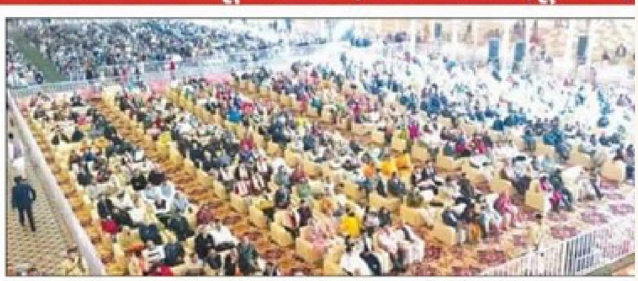

नारनौल के समीपवर्ती गांव जोरासी में आयोजित श्रीराम कथा के दौरान महाराज जगतगुरु स्वामी श्री रामभद्राचार्य से आशीर्वाद लेते केबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह व उपस्थित श्रद्धालु।

संक्षिप्त समाचार

रेवाड़ी में ड्रोंडा कंपनी मैनेजर ने किया समादट

रोटरी क्लब नारनौल रॉयल्स ने चलाया शि

का समय निश्चित होना चाहिए।

के तहत पुलिस ने बाहरी लोगों की पहचान सुनिश्चित   प्रक्रिया अमल में लाई जावे।

जोरासी में 151 कुंडीय सहस्र चंडी महायज्ञ एवं श्रीराम कथा का भव्य शुभारंभ

सनातन में ही हमारी सांस्कृतिक विरासत निहित

- पहले दिन शिव विवाह प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन
- संत-महात्माओं व राजनीतिक हस्तियों की रही गरिमामयी उपस्थिति

नारनौल के जोरास मे आयोजित श्री राम कथा के शुभारंभ पर जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज के चरण छूकर आशीर्वाद लेते आर्यवर्त सेवा न्यास के संस्थापक विनीत पिलानिया। (छाया : पंजाब केसरी)

नारनौल, महेश कुमार/रामचंद्र सैनी (पंजाब केसरी): आर्यवर्त सेवा न्यास के संस्थापक विनीत पिलानिया के तत्वावधान में जोरासी गांव में आयोजित 151 कुंडीय सहस्र चंडी महायज्ञ एवं श्रीराम कथा का शनिवार को भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के पूर्व अध्यक्ष धर्म सम्राट महंत श्री ज्ञान दास जी महाराज (हनुमानगढ़ी, अयोध्या) द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी श्री रामभद्राचार्य जी महाराज ने श्रीराम कथा का विधिवत आरंभ किया।

इसके अतिरिक्त महर्षि पाणिनि विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलपति शिव शंकर मिश्र, प्रोफेसर दिनेश कुमार गर्ग, प्रोफेसर रामनारायण द्विवेदी, काशी विद्वत परिसर के महामंत्री प्रोफेसर दिनेश कुमार पांडे तथा लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कुलपति भी कार्यक्रम में मौजूद थे।

कथा के पहले दिन हरियाणा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहनलाल बड़ोली ने भी कथा स्थल पर पहुंचकर श्रीराम कथा का श्रवण किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के भव्य आयोजन सनातन संस्कृति को मजबूती प्रदान करते हैं तथा सनातन में ही हमारी सांस्कृतिक विरासत निहित है।

वहीं श्रीराम कथा श्रवण हेतु हरियाणा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह भी कार्यक्रम में पहुंचे। कार्यक्रम के प्रमुख विभूति धर्म सम्राट श्रीमहंत ज्ञान दास जी महाराज की अध्यक्षता में आयोजित इस विशाल

शिव विवाह प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया

कथा के प्रथम दिवस जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज ने शिव विवाह प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा श्रवण हेतु पंडाल में हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे, जो कथा सुनकर भावविभोर नजर आए। मंच पर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के पूर्व अध्यक्ष धर्म सम्राट महंत श्री ज्ञान दास जी महाराज, जगद्गुरु द्वारा आचार्य नाभा पीठाधीश्वर श्री सुतीक्ष्ण दास जी महाराज (सुदामा कुटी, वृंदावन), संकट मोचन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र संजय दास जी महाराज, निर्वाणी अखाड़ा के श्रीमहंत मुरली दास जी महाराज, अनी के महामंत्री महंत सत्यदेव दास जी महाराज, नंद रामदास जी महाराज, पश्चिम पीठाधीश्वर शेष मठ शिंगड़ा के पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी श्री वैदेही वल्लभ देवाचार्य जी महाराज (जोधपुर), तीनों अनी अखाड़ा के पूर्व प्रधानमंत्री महंत माधव दास जी महाराज, पंजाब से महामंडलेश्वर रामदास जी महाराज, महंत सिद्धार्थ दास जी महाराज (अहमदाबाद), बलदेव दास जी महाराज, स्वामी सदानंद जी महाराज (वृंदावन) सहित अनेक संत-महात्मा उपस्थित थे।

शोभायात्रा, 151 कुंडीय सहस्र चंडी महायज्ञ एवं श्रीराम कथा के सफल आयोजन पर कार्यक्रम के मुख्य संयोजक एवं आर्यवर्त सेवा न्यास के संस्थापक विनीत पिलानिया को उनके गुरु पश्चिम पीठ शेष मठ शिंगड़ा के पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी वैदेही वल्लभ देवाचार्य महाराज ने आयोजक संत सेवी विनीत पिलानिया, सुरेंद्र चौधरी एवं समस्त आयोजन समिति को साधुवाद एवं आशीर्वाद प्रदान किया।

कार्यक्रम में निर्वाणी अखाड़ा के श्रीमहंत मुरली दास जी महाराज, तीनों अनी अखाड़ा के पूर्व प्रधानमंत्री महंत माधव दास महाराज, सचिव निर्वाणी अखाड़ा महंत सत्यदेव दास जी महाराज, महंत संजय दास महाराज, धर्म सम्राट श्रीमहंत ज्ञान दास महाराज के उत्तराधिकारी, श्रृंगी ऋषि पीठाधीश्वर महंत हेमंत दा[...] महाराज सहित अनेक संत, विद्वा[...] एवं श्रद्धालु उपस्थित थे। इस अवस[...] पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनला[...] बड़ौली, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष नरें[...] यादव, भाजपा नेता गोविंद भारद्वा[...] राजस्थान हाई कोर्ट के पूर्व चीफ[...] जस्टिस सतीश मित्तल, धर्मपा[...] चौधरी, विधायक मंजू चौधरी, पू[...] विधायक डा. बनवारी लाल, भाजप[...] जिलाध्यक्ष यतेंद्र राव, पूर्व जिलाध्य[...] दयाराम यादव, राकेश शर्मा, न[...] चेयरपर्सन कमलेश सैनी, भाजप[...] नेता वासुदेव यादव सहित अने[...] गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे[...] हरियाणा भाजपा प्रदेश अध्य[...] मोहनलाल बड़ौली ने कहा कि इ[...] प्रकार के भव्य धार्मिक आयोज[...] सनातन संस्कृति को सशक्त करते[...] और हमारी सांस्कृतिक विरासत क[...] आगे बढ़ाते हैं।

कार्यक्रम के मुख्य संयोजक ए[...] आर्यवर्त सेवा न्यास के संस्थाप[...] विनीत पिलानिया को उनके गु[...] पश्चिम पीठ शेष मठ शिंगड़ा [...] पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामानंदाचा[...] स्वामी वैदेही वल्लभ देवाचा[...] महाराज ने सफल आयोजन के लि[...] साधुवाद एवं आशीर्वाद प्रदान किया

जौरासी धाम में रामकथा के दौरान भव्य संत समागम, श्रद्धालु हुए भाव-विभोर

दिल्ली और दिल्ली, सोनू भारद्वाज

- भाजपा राष्ट्रीय परिषद के सदस्य संदीप जोशी भी पहुंचे राम कथा सुनने

नारनौल। जौरासी धाम श्याम मंदिर परिसर में आयोजित 151 कुंडीय सहस्त्र चंडी महायज्ञ एवं श्रीराम कथा के पांचवें दिन बुधवार को कथा स्थल पर भव्य संत समागम देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत आर्यवर्त सेवा न्यास के संस्थापक विनीत पिलानिया ने परिवार सहित जगतगुरु स्वामी श्री रामभद्राचार्य जी का विधिवत पूजन कर स्वागत-सत्कार के साथ की।

आयोजन अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के पूर्व अध्यक्ष धर्म सम्राट महंत ज्ञान दास जी महाराज (हनुमानगढ़ी, अयोध्या) के सानिध्य में भगवान श्रीराम के जयकारों के बीच भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस अवसर पर जगद्गुरु स्वामी श्री रामभद्राचार्य जी ने भगवान राम की कथा का भावपूर्ण और प्रेरणादायक वर्णन किया। उनके प्रवचनों को सुनकर उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए। स्वामी श्री रामभद्राचार्य जी ने अपने प्रवचन में कहा कि भगवान श्री राम का जीवन सत्य, मर्यादा, करुणा और त्याग का प्रतीक है। उन्होंने श्रद्धालुओं से भगवान राम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। रामकथा के श्रवण के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और पूरे वातावरण को भक्ति एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया। कथा के पांचवें दिन विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय संरक्षक बड़े दिनेश जी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जो प्रमुख राजनीतिक हस्तियां पहुंची उनमें भाजपा राष्ट्रीय परिषद के सदस्य एवं हरियाणा के पूर्व महामंत्री संदीप जोशी जी , कलानौर से विधायक शकुंतला खटक समेत कई राजनीतिक हस्तियां मौजूद रही।

नारनौल में भव्य रामकथा का आयोजन

दिल्ली और दिल्ली, सोनू भारद्वाज

नारनौल। आर्यव्रत सेवा न्यास के तत्वावधान में 24 से 30 जनवरी तक नारनौल में भव्य एवं दिव्य श्रीरामकथा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस सात दिवसीय धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन में देश के विभिन्न प्रांतों से पधार रहे संत-महापुरुष, महामंडलेश्वर एवं विद्वान आचार्य श्रीरामकथा के माध्यम से श्रद्धालुओं को प्रभु श्रीराम के आदर्शों, मर्यादा, त्याग और सामाजिक समरसता का संदेश देंगे। कल देर रात कथा आयोजक विनीत पिलानिया ने विभिन्न सामाजिक संगठनों के साथ साँझा किए बयान में बताया कि आयोजन में अनेक प्रसिद्ध संतों एवं कथावाचकों की उपस्थिति रहेगी, जिनके सान्निध्य में प्रतिदिन कथा, भजन-कीर्तन एवं धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे। कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के कई कैबिनेट मंत्री, राज्य मंत्री, सांसद, विधायक तथा अन्य विशिष्ट अतिथियों के शामिल होने की संभावना है। इसके साथ ही समाज के विभिन्न वर्गों के गणमान्य लोग एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेंगे।

आयोजक विनीत पिलानिया ने आगे बताया कि रामकथा महोत्सव के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें हरियाणवी लोक कलाकार अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति और लोक परंपराओं को जीवंत करेंगे। आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु समुचित व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

आर्यव्रत सेवा न्यास के संस्थापक एवं आयोजन समिति के विनीत पिलानिया के अनुसार, इस धार्मिक आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में नैतिक मूल्यों की स्थापना, आध्यात्मिक चेतना का प्रसार तथा युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति से जोड़ना है। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में श्रीरामकथा में पहुंचकर धर्मलाभ प्राप्त करें और आयोजन को सफल करने की अपील की है। आर्यव्रत सेवा न्यास के तत्वावधान में आयोजित होने वाली भव्य श्रीरामकथा के सफल आयोजन की पहल को लेकर आयोजक विनीत पिलानिया को सामाजिक संगठनों द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट नारनौल एवं युवा साथी ग्रुप की ओर से उनका अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह एवं माला पहनाकर विनीत पिलानिया का स्वागत किया गया। अभिनंदन समारोह में प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा, युवा साथी ग्रुप के टिंकू प्रधान, शिक्षाविद एवं ट्रस्टी डॉ. जितेन्द्र भारद्वाज, स्लम एरिया टैलेंट संस्था के हनी गुप्ता, कुनाल सोनी, शुभम सोनी तथा अतर सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर डॉ. संजय शर्मा ने कहा कि श्रीरामकथा जैसे आयोजन समाज को संस्कार, मर्यादा और सकारात्मक सोच की दिशा देते हैं। डॉ. जितेन्द्र भारद्वाज ने इसे सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करने वाला प्रयास बताया। वहीं टिंकू प्रधान ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में आपसी भाईचारा और नैतिक मूल्यों को बल मिलता है।

विनीत पिलानिया ने सभी सामाजिक संगठनों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के सहयोग से ही इस प्रकार के आध्यात्मिक आयोजन संभव हो पाते हैं।

जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज के श्रीचरणों में नमन करते आर्यव्रत सेवा न्यास के संस्थापक श्री विनीत पिलानिया जी।

आर्यव्रत सेवा न्यास के संस्थापक श्री विनीत पिलानिया जी श्री ज्ञानदास जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए पावन क्षण।

जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज के श्रीचरणों में नमन करते श्री विनीत पिलानिया जी।

आर्यव्रत सेवा न्यास के संस्थापक श्री विनीत पिलानिया जी, जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी एवं उनके उत्तराधिकारी आचार्य रामचंद्रदास जी के साथ दिव्य एवं प्रेरणादायी क्षण।

आर्यव्रत सेवा न्यास के संस्थापक श्री विनीत पिलानिया जी, विश्व हिन्दू परिषद् के वरिष्ठ नेता माननीय दिनेश जी एवं श्रीमद् जगद्गुरु वैदेही वल्लभ देवाचार्य जी के साथ दिव्य एवं प्रेरणादायी क्षण।

आर्यव्रत सेवा न्यास के संस्थापक श्री विनीत पिलानिया जी माननीय दिनेश जी को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए सम्मानपूर्ण क्षण।

आर्यव्रत सेवा न्यास के संस्थापक श्री विनीत पिलानिया जी ने श्री चंपत राय जी (महासचिव, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र एवं अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष, विश्व हिंदू परिषद) से भेंट कर उन्हें पावन स्मृति-चिन्ह अर्पित किया।

आर्यव्रत सेवा न्यास के संस्थापक श्री विनीत पिलानिया जी ने श्री श्री 1008 श्री हेमंत दास जी महाराज एवं श्री संजय दास जी महाराज के चरण-कमलों में श्रद्धापूर्वक आशीर्वाद प्राप्त किया।

रामकथा के इस दिव्य आयोजन में विभिन्न उच्च कोटि के संतों का पावन संगम अद्भुत आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करता हुआ।

रामकथा के इस पावन आयोजन में संत-महात्माओं का दिव्य संगम आध्यात्मिक ऊर्जा और श्रद्धा का अनुपम केंद्र बना। उनकी पावन उपस्थिति ने पूरे वातावरण को भक्ति, शांति और सकारात्मकता से आलोकित कर दिया।

श्रीराम कथा सुनने के लिए नारनौल पधारे संत-महात्मा

रामकथा के इस दिव्य आयोजन में विभिन्न उच्च कोटि के संतों का पावन संगम अद्भुत आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करता हुआ।

संतों का आशीर्वाद लेते हुए श्री विनीत पिलानिया जी

आर्यव्रत सेवा न्यास के संस्थापक श्री विनीत पिलानिया जी पूज्य श्री मुरलीदास जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए पावन क्षण।

आर्यव्रत सेवा न्यास के संस्थापक श्री विनीत पिलानिया जी, गोविंद भारद्वाज जी के साथ पूज्य महंत श्री चंद्रमा दास जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए पावन क्षण।

आर्यव्रत सेवा न्यास के संस्थापक श्री विनीत पिलानिया जी पूज्य श्री श्री 1008 श्री अखिलेश्वर महाराज जी से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए पावन एवं दिव्य क्षण।

आर्यव्रत सेवा न्यास के संस्थापक श्री विनीत पिलानिया जी परमपूज्य श्री रामरछिपाल जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए पावन क्षण।

आर्यव्रत सेवा न्यास के संस्थापक श्री विनीत पिलानिया जी ने परमपूज्य योगी श्री छोटूनाथ जी का आशीर्वाद प्राप्त किया

परमपूज्य श्री श्री 1008 श्री कालिदास जी महाराज एवं परमपूज्य श्री श्री 1008 श्री राघवेन्द्र भारती जी के सान्निध्य में संतों का यह दिव्य संगम रामकथा आयोजन को अद्भुत आध्यात्मिक ऊँचाइयों तक ले गया।

आर्यव्रत सेवा न्यास के संस्थापक श्री विनीत पिलानिया जी परमपूज्य श्री श्री 1008 श्री कालिदास जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए दिव्य क्षण।

आर्यव्रत सेवा न्यास के संस्थापक श्री विनीत पिलानिया जी परमपूज्य श्रीमद् जगद्गुरु वैदेही वल्लभ देवाचार्य जी महाराज एवं जगद्गुरु रामानंदाचार्य वल्लभाचार्य जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए पावन एवं दिव्य क्षण।

श्रीमद् जगद्गुरु द्वाराचार्य श्रीमद् जगद्गुरु अग्रदेवाचार्य पीठाधीश्वर स्वामी श्री राजेन्द्र देवाचार्य जी महाराज को श्री रामकथा समारोह का स्मृति चिह्न भेंट किया गया।

श्री रामकथा समारोह में पूज्य संतों का भव्य आगमन हुआ

आर्यव्रत सेवा न्यास के संस्थापक श्री विनीत पिलानिया जी परमपूज्य श्री श्री 1008 महामण्डलेश्वर
स्वामी श्री राघवेन्द्र भारती जी से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए श्रद्धामय एवं पावन क्षण।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष माननीय मोहन लाल बड़ौली जी का पावन रामकथा आयोजन में आगमन हम सभी के लिए अत्यंत गौरव और प्रेरणा का विषय रहा।

माननीय श्री फणेंद्रनाथ शर्मा जी का पावन रामकथा आयोजन में आगमन हम सभी के लिए अत्यंत गौरव और सौभाग्य का क्षण रहा। उनकी उपस्थिति ने इस आध्यात्मिक आयोजन को और अधिक प्रेरणादायक एवं दिव्य बना दिया।

हरियाणा के माननीय कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार का पावन रामकथा आयोजन में आगमन

माननीय राव नरबीर सिंह जी एवं माननीय अभय यादव जी का पावन रामकथा आयोजन में आगमन हम सभी के लिए अत्यंत गौरव और प्रेरणा का विषय रहा।

हरियाणा के माननीय कैबिनेट मंत्री श्री अरविंद शर्मा जी का पावन रामकथा आयोजन में आगमन

हरियाणा के माननीय सासंद श्री धर्मवीर सिंह जी का पावन रामकथा आयोजन में आगमन

माननीय ओम प्रकाश यादव जी की गरिमामयी उपस्थिति ने रामकथा के इस पावन आयोजन को विशेष ऊर्जा और सम्मान प्रदान किया।

माननीय कंवर सिंह यादव जी के स्नेहिल आगमन से रामकथा का यह पावन आयोजन भक्तिमय वातावरण से ओत-प्रोत हो उठा।

भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष माननीय श्री यतेन्द्र राव जी का रामकथा के इस पावन आयोजन में सादर आगमन अत्यंत हर्ष और सम्मान का विषय रहा।

माननीय विधायक श्री जस्सी पेटवाड़ जी का रामकथा के इस दिव्य आयोजन में आगमन हम सभी के लिए हर्ष और सम्मान का विषय रहा।

भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़ महिला मोर्चा की मीडिया सह-प्रभारी माननीय आयुषी पांडेय जी का रामकथा के इस पावन आयोजन में स्नेहिल आगमन अत्यंत हर्ष का विषय रहा।

प्रयागराज से पधारे माननीय मनोज तिवारी जी का रामकथा के इस पावन आयोजन में सादर आगमन अत्यंत आनंद और सम्मान का विषय रहा।

भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेत्री एवं हरियाणा महिला आयोग की पूर्व उपाध्यक्ष माननीय सुमन दहिया जी का रामकथा के इस पावन आयोजन में सादर आगमन अत्यंत गौरव और हर्ष का विषय रहा।

हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन के पूर्व अध्यक्ष श्री गोविंद भारद्वाज जी एवं श्री सुखदेव भारद्वाज जी, प्रदेश संगठन मंत्री - सेवा भारती (दिल्ली प्रदेश) की रामकथा के इस पावन आयोजन में सक्रिय सहभागिता हम सभी के लिए अत्यंत प्रेरणादायी रही।

विश्व हिन्दू परिषद के जिला अध्यक्ष माननीय श्री सावंत सिंह जी का रामकथा के इस पावन आयोजन में सादर आगमन अत्यंत हर्ष और सम्मान का विषय रहा।

पूज्य संतगण श्री रामकथा का श्रवण करते हुए।

आर्यव्रत सेवा न्यास के संस्थापक श्री विनीत पिलानिया जी द्वारा पूज्य महंत श्री शशिभूषण गल्यान मिश्र जी से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए दिव्य क्षण।

आर्यव्रत सेवा न्यास के संस्थापक श्री विनीत पिलानिया जी, मुण्डावर (खैरथल-तिजारा, राजस्थान) के पूर्व विधायक मंजीत धर्मपाल चौधरी जी के साथ सौहार्दपूर्ण एवं प्रेरणादायी क्षण।

रामकथा के इस पावन आयोजन में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसागर भक्ति, आस्था और उत्साह का अद्भुत संगम प्रस्तुत कर रहा था।

कलश यात्रा के दौरान उमड़ी श्रद्धालुओं की भव्य भीड़ ने पूरे वातावरण को भक्ति और उल्लास से सराबोर कर दिया।

जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी के आगमन हेतु सुसज्जित भव्य मंच — श्रद्धा, भक्ति और दिव्यता से आलोकित वातावरण

जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी की पावन रामकथा में उमड़ी भक्तों की विशाल भीड़

आर्यव्रत सेवा न्यास के संस्थापक श्री विनीत पिलानिया को वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए हरियाणा के तत्कालीन माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा सम्मानित किया गया

वृक्षारोपण करते हुए आर्यव्रत सेवा न्यास के संस्थापक श्री विनीत पिलानिया जी

गौ सेवा के दो समर्पित स्तम्भ - आर्यव्रत सेवा न्यास के संस्थापक श्री विनीत पिलानिया जी एवं गौ रक्षा दल के श्री सुधीर चौधरी जी।

आर्यव्रत सेवा न्यास के गौ रक्षा प्रकोष्ठ की समर्पित टीम
गौमाता की रक्षा के इस पावन संकल्प में उनका योगदान समाज के लिए एक आदर्श उदाहरण है।

गौ रक्षा दल की पूरी टीम ने मिलकर एक गौ माता को सुरक्षित बचाया

गौ रक्षा दल नांगल चोधरी (हरियाणा) द्वार
.SD पीड़ित गौवंशो का लगातार उपचार जा

रक्षा दल नांगल चोधरी ा) द्वारा LSD पीड़ित गौवंशो तार उपचार जारी हे जहां ारा गौवंशो की ऐक्सिडेंट पीड़ित हे उनका उपचार आरम्भ कर हे आज गौ टीम को सूचना प्राप्त हुई ोधरी गाँधी बाज़ार पुलिस ास नंदी जी महाराज लम्पी े पीड़ित हे जिसके सम्पर्क से दूसरे स्वस्थ गौवंशो को ामारी होने का खतरा बना ना मिलते ही गौ रक्षा दल ी नंदी जी ने विकराल रूप धारण कर रखा था कड़ी मस्कद बाद नंदी जी को क़ाबू कर उपचार किया गया नंदी जी जब तक स्वस्थ नही होते उपचार सुचारु रूप से जारी रहेगा गोतम नम्बरद पशु पालन विभाग द्वारा प्रकार की सहायता प्रा रही दवाइयों का परबंध टीम स्वयं कर रही हे।

गौ रक्षा दल टीम स LSD महामारी में बेशह गौवंशो के लिए 24 उपलब्ध करवा रही हे दोरान विपिन राणा डा. गुलशन सेन मानी रा ईश्वर गुज्जर आशीष रॉबिन डांगी छोटा अम रक्षक मोजुद रहे।

गौ सेवा एवं गौ रक्षा हमारा परम धर्म : गौभक्त सुधीर चौधरी
टीम सुधीर चौधरी कर रही है गौ सेवा पर सराहनीय कार्य

नांगल चौधरी हरियाणा व समीपवर्ती राजस्थान इलाको में कोई भी बेज़ुबान गौवंश घायल अवस्था में या ऐक्सीडेंट होता है तो गौ रक्षा दल नांगल चौधरी को सूचना मिलने पर मोके पर पर पहुँचती है और घायल गौवंश का उपचार किया जाता है व हालत गंभीर होने पर गौवंशों को उपचार के लिए स्वर्ग आश्रम गौ माता उपचारशाला नारनौल लाया जाता है जहां पर गौवंशों का उपचार चलता है।

गौभक्त सुधीर चौधरी ने बताया कई बार कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा बेज़ुबानो को प्रताड़ित कर तेजाब डाला जाता है कुल्हाड़ी से घायल कर दिया जाता है जिस वजह से गौवंश को रेस्क्यू करते समय गौवंश

उपचार किया जाएगा और गौवंश विकराल रूप धारण कर लेते है व रेस्क्यू काफ़ी बार गौ सेवकों को गंभीर चोटे भी आती है।

गौ ऐंबुलेंस का भी नुकसान हो जाता है लेकिन गौ सेवक रक्षक अपने कदम पीछे नहीं हटाते गौ रक्षा दल से ग़ोतम नम्बरदार गुलशन

सेवा करना है हमारी टीम 24 घंटे गौ सेवा के लिए तत्पर रहती है हमारी टीम को सूचना मिलते ही गौ सेवकों में भावना जज्बा होता है गौ सेवा करने की और टीम सुधीर चौधरी गौ रक्षा दल नांगल चौधरी टीम निःस्वार्थ भाव से गौ सेवा करती है प्रत्येक गौवंश का डाटा होता है कोई

सकता है जो उपचार के लिए लाए जाते है गौ रक्षा दल टीम के सदस्यो की सूची रोबिन डाँगी दीपक गुर्जर छापड़ा रोहित यादव बीजेंद्र पंच दिवेश प्रवीण दीप बुढ़वाल राहुल सेन डॉ.दिनेश यादव अवेन सेन वीरसिंह गुर्जर सोनू यादव ईश्वर गुर्जर संदीप डाँगी रवींद्र मोहनपुर आशीष राहुल

आर्यव्रत सेवा न्यास द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा, जया किशोरी जी के मधुर एवं भावपूर्ण प्रवचनों से भक्तिमय और आत्मिक अनुभूति से परिपूर्ण रही।

श्रीमद्भागवत कथा के दौरान उमड़ा श्रद्धालुओं का अपार जनसागर भक्ति, आस्था और प्रेम का अद्भुत दृश्य प्रस्तुत कर रहा था।

आर्यव्रत सेवा न्यास के संस्थापक श्री विनीत पिलानिया जी के श्रीमद् जगद्गुरु वैदेही वल्लभ देवाचार्य जी के साथ स्नेहिल एवं दिव्य क्षणों की झलकियाँ।

आर्यव्रत सेवा न्यास की समर्पित टीम के अथक प्रयासों और सेवा भाव से रामकथा का यह भव्य आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

आर्यव्रत सेवा न्यास — हमारे उद्देश्य

सेवा, शिक्षा और सहयोग का संकल्प

आर्यव्रत सेवा न्यास की स्थापना एक ऐसे पवित्र संकल्प के साथ हुई जो धर्म, समाज और राष्ट्र तीनों के उत्थान को समर्पित है। यह न्यास केवल एक संस्था नहीं, अपितु एक विचार है — एक ऐसा विचार जो मानता है कि सच्ची सेवा ही सच्ची पूजा है। न्यास के उद्देश्य इसी भावना को मूर्त रूप देते हैं।

🪔 धार्मिक एवं आध्यात्मिक उद्देश्य

आर्यव्रत सेवा न्यास धार्मिक कथाओं, प्रवचनों, सत्संग, ध्यान शिविर एवं योग शिविरों का आयोजन करता है। महापुरुषों के सिद्धान्तों एवं आदर्शों का प्रचार-प्रसार कर युवा पीढ़ी में देशभक्ति एवं धर्मनिष्ठा की भावना जागृत करना न्यास का प्रमुख लक्ष्य है। योग एवं वैदिक साहित्य के प्रसार हेतु परामर्श केन्द्रों की स्थापना तथा साधु-संन्यासियों एवं संस्कृत अध्ययनरत छात्रों के लिए आवास एवं भोजन की व्यवस्था करना भी न्यास के संकल्पों में सम्मिलित है।

🤝 सामाजिक सेवा एवं मानवीय सहायता

न्यास का हृदय समाज के उस वर्ग के लिए धड़कता है जो असहाय एवं वंचित है। बिना किसी जाति-भेद के गरीब एवं असहाय व्यक्तियों को वस्त्र, कम्बल, दवाइयाँ एवं अन्य आवश्यक सामग्री निःशुल्क उपलब्ध कराना न्यास की प्राथमिकता है। गरीब एवं निर्धन कन्याओं के विवाह का आयोजन करना तथा प्राकृतिक आपदा से पीड़ित व्यक्तियों एवं उनके परिजनों को सहायता प्रदान कर उनके जीवन स्तर को ऊँचा उठाना भी न्यास के सेवाकार्यों का अभिन्न अंग है।

🏥 स्वास्थ्य एवं आयुर्वेद

स्वस्थ समाज ही सशक्त राष्ट्र की नींव है। इस विचार को साकार करते हुए न्यास समाज के असहाय वर्ग के लिए मोबाइल डिस्पेंसरी एवं चिकित्सालयों द्वारा स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराता है। प्राकृतिक एवं आयुर्वेदिक चिकित्सालय तथा शोध परक फार्मेसी की स्थापना, जड़ी-बूटियों पर शोध कार्य एवं आयुर्वेदिक दवाइयों का निर्माण एवं प्रसार तथा ग्रामीण परिवारों हेतु पेयजल एवं स्वच्छता कार्यक्रमों का आयोजन करना न्यास के स्वास्थ्य सम्बन्धी उद्देश्यों का भाग है।

🌿 पर्यावरण एवं गौ-संवर्धन

न्यास पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी उतना ही सजग है। प्राकृतिक संसाधनों के उचित संवर्धन हेतु कार्य करना, पक्षी रैन बसेरों का निर्माण एवं संचालन करना तथा पर्यावरण संवर्धन हेतु सरकार के साथ सहयोग करना न्यास की पर्यावरणीय प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसके साथ ही गौ-संवर्धन के लिए गौशालाओं का निर्माण एवं संचालन करना भी न्यास के सेवाकार्यों में सम्मिलित है।

🤲 सामाजिक समरसता एवं राष्ट्रीय एकता

न्यास का विश्वास है कि एक सशक्त राष्ट्र की नींव सामाजिक समरसता पर टिकी होती है। जाति, धर्म और भाषा के आधार पर उत्पन्न द्वेष एवं वैमनस्य की भावना को दूर कर राष्ट्रीय एकता की भावना को प्रबल बनाना, सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने हेतु कार्य करना तथा देश-विदेश की समान उद्देश्यों वाली संस्थाओं के साथ मिलकर समाज कल्याण के लक्ष्यों की पूर्ति करना न्यास के व्यापक सामाजिक उद्देश्यों का अंग है।

📰 प्रकाशन एवं जन-जागरण

समाज में धर्म, संस्कृति एवं सेवा की चेतना जागृत करने हेतु न्यास पुस्तिकाओं, समाचार पत्रों एवं पत्रिकाओं का प्रकाशन एवं प्रचार-प्रसार करता है। आर्यव्रत दर्शन इसी संकल्प का एक जीवंत प्रमाण है। न्यास का यह प्रयास है कि समाज का प्रत्येक व्यक्ति धर्म, संस्कृति एवं राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों के प्रति जागरूक हो और एक सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन में सहभागी बने।

🤝 सामूहिक सहयोग एवं श्रमदान

न्यास का दृढ़ विश्वास है कि समाज का उत्थान केवल व्यक्तिगत प्रयासों से नहीं, अपितु सामूहिक सहयोग एवं समर्पण से होता है। सामूहिक कार्यों द्वारा सहयोग भावना का विकास करना, श्रमदान जैसे कार्यों को सामूहिक रूप से सम्पन्न करना तथा किसी भी परोपकारी संस्था, ट्रस्ट अथवा गैर-सरकारी संगठन के साथ मिलकर समाज कल्याण हेतु कार्य करना न्यास की कार्यशैली का मूल आधार है।

श्रद्धालुओं के उद्गार
राम कथा — हृदय की आवाज़
नारनौल, हरियाणा | 23 – 30 जनवरी 2026

"जगद्गुरु जी के श्रीमुख से जब सुन्दरकाण्ड का पाठ हुआ, तो मेरी आँखें अपने आप बंद हो गईं और मन ऐसा शान्त हो गया जैसे वर्षों की थकान एक पल में उतर गई हो। यह अनुभव शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता।"

— श्रीमती सुमन देवी, गृहिणी, नारनौल

"मैं अपने पूरे परिवार के साथ सातों दिन कथा में उपस्थित रहा। मेरे बच्चों ने पहली बार इतनी श्रद्धा के साथ धार्मिक कार्यक्रम में भाग लिया। जगद्गुरु जी ने जिस प्रकार युवाओं को सनातन धर्म से जोड़ने की बात कही, उसने मेरे बेटे के मन पर गहरा प्रभाव डाला।"

— श्री महेन्द्र सिंह यादव, किसान, नांगल चौधरी

"नारनौल में इतना बड़ा आयोजन पहले कभी नहीं हुआ। आर्यव्रत सेवा न्यास ने जो व्यवस्था की थी वह अद्भुत थी — स्वच्छता, अनुशासन और सेवा भाव हर जगह दिखा। श्री विनीत पिलानिया जी और उनकी पूरी टीम बधाई की पात्र है।"

— श्रीमती कमलेश रानी,गृहिणी, नारनौल

"मैं राजस्थान से विशेष रूप से इस कथा में भाग लेने आई थी। जगद्गुरु जी ने माताओं और बहनों को जो सन्देश दिया कि अपने बच्चों को बचपन से ही संस्कार दें — यह बात मैंने अपने हृदय में उतार ली है। अब मैं प्रतिदिन अपने बच्चों को रामायण की एक चौपाई अवश्य सुनाती हूँ।"

— श्रीमती गीता शर्मा, गृहिणी, जयपुर, राजस्थान

"जिस प्रकार आर्यव्रत सेवा न्यास ने इतने भव्य आयोजन को इतनी कुशलता और श्रद्धा से सम्पन्न किया, वह वास्तव में प्रशंसनीय है। श्री विनीत पिलानिया जी की दूरदृष्टि और संकल्पशक्ति को नमन।"

— श्री भूपेन्द्र सिंह, किसान, नांगल चौधरी

आर्यव्रत परिवार से जुड़ें

धर्म की ज्योति को डिजिटल युग में भी प्रज्ज्वलित रखें

हमारे साथ जुड़ें और सनातन धर्म, सेवा एवं संस्कृति की इस यात्रा का हिस्सा बनें। हमारे सभी कार्यक्रमों, प्रवचनों एवं सेवा गतिविधियों की जानकारी अब आपकी उँगलियों पर उपलब्ध है।

🌐 वेबसाइट

www.aaryawart.com हमारी संस्था के बारे में विस्तृत जानकारी, आगामी कार्यक्रम एवं सेवा कार्यों का विवरण यहाँ उपलब्ध है।

Aaryawart Astro World

@AARYAWART_SEVA_NYAAS

सम्पर्क करें

किसी भी जानकारी, सहयोग अथवा सेवा कार्य में भागीदारी के लिए हमसे सम्पर्क करें

9253999082

9253999083

9253999088